कृषि विज्ञान केन्द्र कौशाम्बी

जल शक्ति अभियान अंतर्गत किसान मेला का आयोजन

दिनाँक 15 नवम्बर 2022

कृषि विज्ञान केन्द्र कौशाम्बी के परिसर में जल शक्ति अभियान अंतर्गत किसान मेला का आयोजन दिनाँक 15 नवम्बर, 2022 को किया गया | इस मेले का मुख्य उद्देश्य किसानो को जल संचयन के नवीन तकनीको के बारे में जागरुक एवं प्रशिक्षित करना है इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) उपस्थित थे तथा मुख्य अतिथि महोदय ने मेले का शुभारम्भ फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित करके किया| अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कृषि एवं अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे|

मुख्य अतिथि ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा जो भी कृषि से सम्बंधित नवीन तकनीकी बताई जाती है, उसे अपनाकर जनपद का उत्पादन बढ़ाने के सहयोग करे| एवं जल संरक्षण तकनीको को अपनाये|

उक्त कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला फसल सुरक्षा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, क्षेत्र प्रबंधक (इफको), ए. आर, कोआपरेटिव, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ अजय कुमार एवं समस्त वैज्ञानिक ने उपस्थित रहकर तकनीकी एवं विभागीय जानकारी प्रदान की| उक्त अवसर पर केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ अजय कुमार ने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि रबी का समय तो रबी कि मुख्य फसल गेंहू की पैदावार का भरपूर लाभ लेने के उचित प्रजातियों DBW-187 (करन वंदना), DBW-303 आदि उन्नतिशील प्रजातियों का चयन करके जनपद का उत्पादन बढ़ाना है| बीज की बुआई से पूर्व बीज शोधन करने के बाद ही बुआई करें एवं संतुलित उर्वरक प्रयोग की सलाह दी|

केन्द्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ मनोज कुमार सिंह ने जल संरक्षण की तकनीकी विधियों के साथ साथ संतुलित उर्वरक प्रयोग एवं सीड ड्रिल से पंक्ति बद्ध बुआई की विधि एवं लाभ के विषय में जानकारी प्रदान की | पादप सुरक्षा अधिकारी श्री इन्द्रजीत यादव ने जनपद में विभागीय योजनाओ कि जानकारी देते हुए कहा कि बीज शोधन कार्बेन्डाजिम, थिरम से करने के बाद ही बुआई करे जिससे पौधों का विकास अच्छे प्रकार से हो| ए.आर. कापरेटिव श्री विनोद सिंह ने जनपद में खाद की उपलब्धता के विषय में जानकारी प्रदान की| केन्द्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ जीतेन्द्र प्रताप सिंह ने ड्रिप एवं स्प्रिंकलर विधि के प्रयोग का लाभ के विषय में जानकारी प्रदान की| केन्द्र के पादप सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ नवीन शर्मा ने अरहर एवं अमरूद में कीट प्रबंधन के बारे में जानकारी प्रदान की|

डॉ मीनाक्षी सक्सेना, गृह वैज्ञानिका ने समूह निर्माण की विधि एवं गृह वाटिका के लाभ के विषय में जानकारी प्रदान की| पशुपालन वैज्ञानिक डॉ आशीष ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए पशुओ में दूध बढ़ाने, जल संरक्षण के बारे में बताया| उप निदेशक कृषि डॉ उदय भान गौतम ने विभागीय योजनाओ के साथ साथ किसान सम्मान निधि के बारे में जानकारी प्रदान की |

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के परिसर में सजीव प्रदर्शन इकाइयों, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर विधि द्वारा सिचाई का प्रक्षेत्र, प्राकृतिक खेती, बकरी पालन, बीज उत्पादन इकाई, नर्सरी इकाई, कुक्कुट पालन एवं डेयरी इकाइयों के साथ साथ मेले में प्रदर्शित विभिन्न प्रकार के स्टालों का भ्रमण एवं अवलोकन किया गया|

उक्त अवसर पर डॉ अमित केशरी, शेषनाथ यादव, सुनील कुमार, प्रदीप कुमार ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम के आयोजन में सहयोग किया|